Destruction of the Aravali Hills

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Yes, sir. In fact, I had given it two days back, so, I was not sure that it is going to come up today. All the same, Sir, in the last few days, we have been constantly seeing newspapers reports showing that Aravali hills around Delhi are being totally destructed. Sir, quarrying is happening and stones are being used for construction purposes. We have to realise that hills and mountains of any area are absolutely important natural features of our country and these cannot be destroyed. Over the years, as stones are being quarried, we also see that the green cover is disappearing and the wildlife is disappearing. Delhi is already facing the problem of air pollution and this dust, which is being generated while cutting the stones, is also adding to the air pollution of the city. Therefore, I urge upon the Government to look into this matter. Hills and mountains, no matter where they are, should be treated as natural features and should be treated as heritage. And, we have to make sure that we safeguard them. I urge upon the Government to look into this and make sure that we do not destroy our natural features. Thank you, Sir.

DR. SUBHASH CHANDRA (Haryana): Sir, I associate myself with the matter raised by Shrimati Vandana Chavan.

MR. CHAIRMAN: Shri Mohd. Ali Khan, not present. Shri R.K. Sinha.

श्री आर. के. सिन्हा (बिहार): माननीय सभापति महोदय, मैं आज स्पेशल मेंशन के तहत एक बहुत महत्वपूर्ण विषय उठाने जा रहा हूँ। विभिन्न एजेंसियों की अनेकों रिपोर्ट्स और मीडिया में नियमित रूप से वायु प्रदूषण के बारे में प्रकाशित होती रहती हैं, वह वायु प्रदूषण की एक डरावनी तस्वीर प्रस्तुत कर रही है। इन रिपोर्टों में इस बात का स्पष्ट उल्लेख होता है कि वायु प्रदूषण के कारण बड़ी संख्या में मौतें भी हो रही हैं और इन मौतों का आंकड़ा प्रति वर्ष लाखों में है। ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: R.K. Sinhaji, you are reading the Special Mention. Right now, I have called you to speak on the matter that you have given for Zero Hour for mandatory training in schools for life-saving skills in disaster management.

SHRI R.K. SINHA: I am sorry, Sir.

MR. CHAIRMAN: Afterwards, the Special Mentions will also be taken up. Now, you can speak on the Zero Hour mention. As two days have gone by, people may have forgotten. After Friday, Saturday and Sunday, sometimes, it is difficult to remember.

[Mr. Chairman]

For Members, who are making comments, I would like to say that my ear catches everything. There is no provision for Zero Hour and Special Mentions. It is I who took the initiative and I am conducting it during the extended Session. Extended session is only for Government Business. Please understand. If you are not interested; it's okay, no problem. But, there are Members who are working hard and giving notices. Now, R.K. Sinhaji, please continue.

Need for mandatory training in schools for life-saving skills in Disaster Management

श्री आर. के. सिन्हा: माननीय सभापति महोदय, मेरा यह ज़ीरो ऑवर का नोटिस कई बार आया, लेकिन कई कारणों से टेकअप नही हो सका। आज मैं आपका बहुत आभारी हूँ कि आज मेरा यह ज़ीरो ऑवर टेकअप हो गया। मैं इस शून्यकाल के नोटिस के माध्यम से बच्चों और किशोरों के पाठ्यक्रमों में सेल्फ केयर एंड प्रोटेक्शन मॉड्यूल के गठन का विचार रखना चाहता हूँ। हम देश भर में चाहे कहीं भी किसी भी अखबार के पन्नों को पटलें, तो शायद ही कोई दिन ऐसा जाएगा, जब हम छोटे बच्चों के डूबने ने या उनके जहरखुरानी, उनके जल जाने, जानवरों द्वारा काटे जाने, रोड accident में मौत, जैसी खबरों से रू-ब-रू नही होते होंगे। ऐसे बहुत सारे युवा छात्र हैं, जो कट-ऑफ मार्क्स और प्रचंड प्रतिस्पर्धा के दुष्चक्र में फंस जाते हैं और वे इससे अवसादग्रस्त हो जाते हैं। वे अवसाद और चिंता जैसी गंभीर मानसिक बीमारियों से ग्रसित होते रहते हैं और इन समस्याओं से जूझते रहते हैं। पूरे परिवार को इन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उपरोक्त कतिपय अप्राकृतिक कारणों से हमारे बच्चे और किशोरों की असामयिक मौत की एक प्रमुख वजह उनके पाठ्यक्रमों में सेल्फ केयर एंड प्रोटेक्शन मॉड्यूल का अभाव है। उनके शिक्षण पद्धति में इसका अभाव है, इसलिए बच्चों को बहुत कम उम्र से ही प्री-स्कूल से लेकर, स्कूल, घर, ट्यूशन आदि में उनको यह बताया जाना चाहिए कि किसी तरह की प्राकृतिक आपदा या असामयिक परिस्थिति आने पर किस तरह से निपटा जाए।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से विशेष कर गृह मंत्रालय से, आपदा प्रबंधन मंत्रालय से और मानव संसाधन मंत्रालय से यह अपील करता हूँ कि वे छोटे बच्चों के लिए प्राइमरी स्कूल में और even सेकंडरी स्कूल में भी यह सेल्फ केयर एंड प्रोटेक्शन मॉड्यूल को शिक्षा के पाठ्यक्रमों में डाले, बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: This Zero Hour submission is about "Menace of female foeticide".

Menace of female foeticide in the country

SHRI MANAS RANJAN BHUNIA (West Bengal): Sir, through you, I want to draw the kind attention of the hon. Minister of Health and Family Welfare and the entire